Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. XV, Issue No. 4, June-2018, ISSN 2230-7540

डीडवाना तहसील राजस्थान की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमिः एक अध्ययन

Dasrath Kumar*

Student, Department of Geography, VPO-Dohar Kalan, Teh- Narnaul

सार - *किसी प्रदेश के विकास में प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधनों का योगदान महत्त्वपूर्ण होता है। मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग करने की क्षमता से ही प्रदेश का आर्थिक विकास होता है। परन्तु प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधनों के मध्य उचित सन्तुलन ही विकास की दिशा का निर्धारक होता है। यदि संसाधनों की तुलना में जनसंख्या घनत्व अधिक है तो विकास की दर धीमी हो जायेगी। अतः जनसंख्या के विभिन्न घटकों का प्रदेश की उन्नति व विकास के लिए अध्ययन एवं विश्लेषण आवश्यक होता है। जनसंख्या की भौतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विशेषताओं को जनसंख्या का संघटन कहा जाता है। आयु, लिंग, निवास स्थान, भाषा, धर्म, वैवाहिक स्थिति मानव प्रजातियता, शिक्षा और व्यवसायिक, संरचना प्रमुख सामाजिक-आर्थिक विशेषताएँ हैं। डीडवाना तहसील की जनसंख्या की प्रमुख विशेषताओं का अध्ययन एवं विश्लेषण निम्नलिखित है।*

----------X----------

जनसंख्या वितरण

डीडवाना तहसील में जनसंख्या वितरण विषम है। तहसील के 1646.77 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में 3,29,706 व्यक्ति निवास करती है। तहसील में जनसंख्या वितरण की प्रमुख विशेषता 86.45 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। डीडवाना तहसील की जनसंख्या का मुख्य व्यवसाय कृषि हैं। जहाँ पेयजल व सिंचाई के लिए भूजल तथा उपजाऊ मिट्टी उपलब्ध है वहाँ सघन जनसंख्या है।

सारणी 1

डीडवाना तहसील में जनसंख्या वितरण

जनगणना वर्ष 2011

क्र.सं.	लिंग	ग्रामीण	नगरीय	योग
1	पुरूष	1,43,568	23,408	1,66,976
2	स्त्री	1,41,463	21,267	1,62,730
3	योग	2,85,031	44,675	3,29,706
4	जनसंख्या (प्रतिशत में)	86.45	13.55	100

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, (2007) नागौर।
स्त्रोत : जनगणना प्रतिवेदन, (2011) राजस्थान।

जनसंख्या घनत्व

जनसंख्या घनत्व से आशय किसी क्षेत्र में प्रति वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या से है। भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारक जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करते हैं। वर्ष 2011 में डीडवाना तहसील की जनसंख्या घनत्व 200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। स्वतंत्रता पश्चात् जनसंख्या घनत्व में तेजी से वृद्धि दर्ज की गयी है। डीडवाना तहसील थार मरूस्थल में स्थित होने के कारण ज्यादा जनसंख्या घनत्व के भरण-पोषण के लिए यहाँ संसाधन नहीं है। तहसील में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार ग्रामीण जनसंख्या घनत्व 175 तथा नगरीय जनसंख्या घनत्व 3081 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

www.ignited.in

सारणी 2

डीडवाना तहसील में ग्रामीण नगरीय जनसंख्या वितरण

जनगणना वर्ष 2011

क्र. सं.	क्षेत्र	क्षेत्रफल (वर्ग किमी. में)	जनसंख्या	घनत्व (व्यक्ति/ वर्ग किमी.)
1	ग्रामीण	1632.27	2,85,031	175
2	नगरीय	14.50	44,675	3,081
3	योग	1646.77	3,29,706	200

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा (2007) नागौर।

जनसंख्या वृद्धि

दो समय बिन्दुओं के मध्य जनसंख्या में होने वाले शुद्ध परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि दर कहते हैं। इसे मूल (प्रारम्भिक) जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है। यदि विचाराधीन समयावधि में जनसंख्या घटती है तो ऋणात्मक जनसंख्या वृद्धि दर होती है। इसके विपरीत यदि जनसंख्या बढ़ती है तो वृद्धि दर धनात्मक होती है।

डीडवाना तहसील में वर्ष 1941 से 2011 तक तीव्र धनात्मक जनसंख्या वृद्धि दर्ज की गयी है। स्वतंत्रता से पहले दशकीय वृद्धि दर 16 प्रतिशत थी, जो स्वतंत्रता पश्चात् लगातार बढ़ते हुए वर्ष 1981 में 35 प्रतिशत उच्चतम जनसंख्या वृद्धि दर दर्ज की गयी। वर्ष 1991 में तेज गिरावट तथा वर्ष 2001 में पुनः दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर में तेजी दर्ज की गयी। वर्ष 2011 में वृद्धि दर में कमी के साथ 29 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गयी जो नागौर जिले की जनसंख्या वृद्धि दर 29.38 प्रतिशत से कम हैं।

तहसील की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर ग्रामीण क्षेत्रों में कम तथा नगरीय क्षेत्र में 1941 से 2011 के बीच अधिक रही है। इसका कारण नगरों में गाँवों की अपेक्षा अधिक रोजगार के अवसर, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता है।

सारणी 3

डीडवाना तहसील में नगरीय जनसंख्या वृद्धि दर

(वर्ष 1941 से 2011 तक)

वर्ष	पुरूष	स्त्री	योग	दस वर्ष का अन्तर	प्रतिशत वृद्धि
1941	4421	4022	8443	_	_
1951	4846	4391	9237	794	9.40
1961	6119	5888	12007	2770	29.99
1971	7135	6412	13,547	1540	12.83
1981	9695	8547	18,242	4695	34.66
1991	12,686	11,251	23,937	5695	31.22
2001	17,314	15,575	32,889	8952	37.40
2011	23,408	21,267	44,675	11,786	35.84

स्त्रोत : जनगणना प्रतिवेदन, (2011) राजस्थान।
स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, (2007) नागौर।

ग्रामीण-नगरीय जनसंख्या

निवास स्थान के अनुसार अधिकतर जनांकिकी और सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं का निर्धारण होता है। डीडवाना तहसील की 86.45 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में तथा 13.55 प्रतिशत जनसंख्या नगर में निवास करती है।

डीडवाना तहसील में वर्ष 2011 में कुल गाँव 172 हैं। इनमें से 170 गाँव आबाद एवं 2 गाँव गैर आबाद हैं। सबसे कम 2.35 प्रतिशत 200 से कम जनसख्या वाले गाँवों का है तथा सबसे अधिक 60.59 प्रतिशत 500 से 1999 जनसंख्या वाले गाँवों का है। पानी की कमी तथा कम उपजाऊ कृषि भूमि के कारण दस हजार की जनसंख्या वाला एक भी गाँव नहीं है। प्रत्येक गाँव में अनेंक ढाणी है। गाँवों में जनसंख्या वृद्धि दर कई दशकों से धीरे-धीरे घट रही है। इसका कारण मुख्यतः गाँवों से नगरों की और बढ़ता प्रवास है।

डीडवाना तहसील में एक मात्र नगर डीडवाना है। डीडवाना नगर में 44,675 जनसंख्या निवास करती है। तहसील के गाँवों से डीडवाना नगर में जनसंख्या के प्रवास के कारण जनसंख्या वृद्धि दर उच्च बनी हुई है। वर्ष 2001 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर 35.84 प्रतिशत है जो विगत दशक की जनसंख्या वृद्धि दर 37.40 प्रतिशत से कम है।

www.ignited.in

सारणी 4

डीडवाना तहसील के गाँवों का जनसंख्या के आधार पर वर्गीकरण

वर्ष 2011

गाँव वर्ग	जनसंख्या	गाँवों की संख्या	प्रतिशत
1	200 से कम	04	2.35
2	200-499	16	4.12
3	500-1999	103	60.59
4	2000-4999	41	24.12
5	5000-9999	06	3.52
6	10000 व इससे अधिक	00	0.00

स्त्रोत : जनगणना प्रतिवेदन, (2011) राजस्थान।
स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, (2007) नागौर।

लिंगानुपात

जनसंख्या के लिंग संघटन को प्रायः लिंग अनुपात के रूप में व्यक्त किया जाता है। भारत में लिंग अनुपात की गणना प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या के रूप में की जाती है। लिंग संघटन को समाज में पुरूषों और स्त्रियों के मध्य डीडवाना

सारणी 5

डीडवाना तहसील में लिंगानुपात

जनगणना वर्ष 2011

क्र.सं.	क्षेत्र	पुरूष	स्त्री	लिंगानुपात
1	ग्रामीण	1,43,538	1,41,463	985
2	नगरीय	23,408	21,267	909
3	योग	1,66,976	1,62,730	975

स्त्रोत : जनगणना प्रतिवेदन, (2011) राजस्थान।
स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, (2005) नागौर।

तहसील में वर्ष 2011 में 1,66,976 पुरूष तथा 1,62,730 स्त्रियाँ हैं। तहसील में लिंगानुपात 975 है। तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में लिंगानुपात 985 है। नगरीय क्षेत्र में लिंगानुपात 909 है। ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय क्षेत्र की अपेक्षा ज्यादा लिंगानुपात है। इसका कारण ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा नगरीय क्षेत्र में स्त्री भ्रूण हत्या अवैधानिक रूप से अधिक की जाती है। तहसील में वर्ष 1991 में लिंगानुपात 971 था। नागौर जिले का वर्ष 2011 में लिंगानुपात 947 डीडवाना तहसील के लिंगानुपात 975 की अपेक्षा कम था।

साक्षरता

साक्षरता समाज के विकास का महत्त्वपूर्ण मापदण्ड है। इसका प्रभाव सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक प्रतिरूपों पर पड़ता है। साक्षरता लोगों को गरीबी के दुश्चक्र से बाहर निकालता है।

सारणी 6

नागौर जिला व डीडवाना तहसील की साक्षरता दर

जनगणना वर्ष 2011

क्र. सं.	क्षेत्र	जनसंख्या में साक्षरता का प्रतिशत								
		योग			ग्रामीण			नगरीय		
		व्यक्ति	पुरूष	स्त्री	व्यक्ति	पुरूष	स्त्री	व्यक्ति	पुरूष	स्त्री
1	नागौर जिला	57.28	74.10	39.67	54.99	72.96	36.85	68.15	81.67	53.41
2	डीडवाना तहसील	63.24	79.76	46.53	62.16	79.03	45.33	69.95	84.12	54.39

स्त्रोत : जनगणना प्रतिवेदन, (2011) राजस्थान।
स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, (2007) नागौर।

यह अर्थव्यवस्था, नगरीकरण, जीवन-स्तर, जातीय संरचना, समाज में स्त्रियों की स्थिति, शैक्षणिक सुविधाओं, यातायात एवं परिवहन साधनों, तकनीकी विकास आदि का सूचक है। साक्षरता तथा प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास में धनात्मक सहसंबंध पाया जाता है।

वर्ष 2001 में डीडवाना तहसील की साक्षरता 63.24 प्रतिशत है। जबकि नागौर जिले की साक्षरता 57.28 प्रतिशत ही है। डीडवाना तहसील की वर्ष 2011 में साक्षरता दर नागौर जिले तथा अन्य तहसीलों में सर्वाधिक है। डीडवाना तहसील में वर्ष 2011 में पुरूष साक्षरता 79.76 तथा स्त्री साक्षरता 46.53 प्रतिशत है जो नागौर जिले से अधिक है। तहसील के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में साक्षरता क्रमशः 62.16 प्रतिशत तथा 69.95 प्रतिशत है। सम्पूर्ण तहसील में पुरूषों की बजाय स्त्रियों की साक्षरता दर बहुत कम है। अतः स्त्रियों की साक्षरता दर को बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि स्त्रियों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार हो सके।

अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का वितरण

डीडवाना तहसील की जनसंख्या विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक समूहों से बनी है। प्राचीन काल में जनसंख्या चार वर्णों में विभाजित थी, लेकिन अब वह स्वरूप विकृत होकर विभिन्न जातियों में बदल गया है। इनके उचित अधिकारों की रक्षा के लिए समाज के निम्नतम वर्ग के लोगों को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के रूप में सूचीबद्ध कर दिया है। भारत के संविधान की धारा-341 में

अनुसूचित जातियों और धारा-342 में अनुसूचित जनजातियों को परिभाषित किया गया है। डीडवाना तहसील में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या का 18.14 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा 0.15 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति का निवास करता है। अनुसूचित जाति समाज का गरीब वर्ग है जो गाँवों में अधिक निवास करता है।

सारणी 7

डीडवाना तहसील में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का वितरण (वर्ष 2001-2011)

वर्ष	अनुसूचित जाति (प्रतिशत में)			अनुसूचित जनजाति (प्रतिशत में)		
	ग्रामीण	नगरीय	योग	ग्रामीण	नगरीय	योग
2001	19.31	9.56	18.12	0.13	0.16	0.14
2011	19.49	9.54	18.14	0.14	0.20	0.15

स्त्रोत : जनगणना प्रतिवेदन, (2011) राजस्थान।
स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, (2005) नागौर।

इनका कुल ग्रामीण जनसंख्या का 19.49 गाँवों में तथा कुल नगरीय जनसंख्या का 9.54 नगर में प्रतिशत निवास करता है। अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या के तेजी से सामाजिक-आर्थिक विकास के कारण गाँवों को छोड़कर नगरों में निवास करने लगे हैं। वर्ष 2011 में अनुसूचित जनजाति का 0.14 प्रतिशत गाँवों में तथा 0.20 प्रतिशत नगरों में निवास करती है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को सरकार द्वारा रोजगार एवं जनप्रतिनिधित्व में आरक्षण देने से स्वतंत्रता पश्चात् इनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

जनसंख्या का धार्मिक वितरण

डीडवाना तहसील में वर्ष 2011 में हिन्दू धर्म की जनसंख्या 2,56,179 है। यह तहसील की कुल जनसंख्या का 77.70 प्रतिशत है। तहसील में दूसरे स्थान पर 22.07 प्रतिशत जनसंख्या मुसलमान धर्म की है। जैन धर्म की जनसंख्या 0.19 प्रतिशत है जो डीडवाना नगर में निवास करते हैं। अन्य धर्मों में ईसाई एवं सिक्ख मात्र 0.3 प्रतिशत ही तहसील में निवास करते हैं। बौद्ध धर्म के केवल चार व्यक्ति ही तहसील में रहते हैं। सभी धर्मों के लोग आपस में भाईचारे से रहते हैं और एक दूसरे धर्मों के उत्सवों एवं त्यौहारों पर मिल जुलकर खुशियाँ बाँटते हैं। हिन्दू व मुसलमान धर्म के लोग नगर तथा गाँवों में निवास करते हैं। यह प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक व्यवसाय करते हैं। परन्तु प्राथमिक व्यवसाय की प्रधानता है। जैन, सिक्ख, ईसाई तथा बौद्ध धर्म के लोग डीडवाना नगर में निवास करते हैं। इनका मुख्य व्यवसाय द्वितीयक तथा तृतीयक है।

सारणी 8

डीडवाना तहसील की जनसंख्या का धार्मिक वितरण

जनगणना वर्ष 2011

क्र.सं.	धर्म	जनसंख्या	प्रतिशत	योग
1	हिन्दू	2,56,179	77.70	77.70
2	मुसलमान	72,768	22.07	99.77
3	जैन	624	0.19	99.96
4	सिक्ख	76	0.02	99.98
5	ईसाई	33	0.01	99.99
6	बौद्ध	4	नगण्य	
7	धर्म नहीं बताया	22	0.01	100.00
8	योग	3,29,706	100.00	

स्त्रोत : जनगणना प्रतिवेदन, (2011) राजस्थान।
स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, (2007) नागौर।

जनसंख्या का व्यावसायिक वितरण

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार डीडवाना तहसील की जनसंख्या 3,29,706 है। इनमें से 45.81 प्रतिशत लोग कोई न कोई काम या आर्थिक गतिविधि में लगे हैं। शेष 64.19 प्रतिशत लोग किसी भी प्रकार की आर्थिक गतिविधि में नहीं लगे हैं। काम करने वालों को भारतीय जनगणना विभाग ने वर्ष 2011 की जनगणना में चार श्रेणियों में काश्तकार, खेतिहर मजदूर, पारिवारिक उद्योग में विभाजित किया गया है। इनमें से कृषि कार्य करने वालों की जनसंख्या सबसे अधिक 71.81 प्रतिशत है जिसमें से 62.40 प्रतिशत काश्तकार तथा 09.41 प्रतिशत खेतिहर मजदूर हैं। पारिवारिक उद्योगों में 03.19 प्रतिशत तथा अन्य कार्यों में 25.00 प्रतिशत जनसंख्या लगी हुई है। काम करने वालों का प्रतिशत डीडवाना नगर की अपेक्षा गाँवों में अधिक है। पुरूष कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत स्त्रीयों की अपेक्षा अधिक है।

अकार्यशील जनसंख्या में बच्चें, वृद्ध व बेरोजगार व्यक्ति सम्मिलित किये जाते हैं। जनसंख्या वृद्धि अधिक होने से तथा रोजगार न पाने के कारण डीडवाना तहसील में अकार्यशील जनसंख्या का उच्च अनुपात है। डीडवाना तहसील की अपेक्षा नागौर जिले में अकार्यशील जनसंख्या 59.30 प्रतिशत ही है। डीडवाना तहसील में कृषि तथा उद्योगों का धीमा विकास बेरोजगारी का मूल कारण है।

www.ignited.in

सारणी 9

डीडवाना तहसील में जनसंख्या का व्यावसायिक वितरण

जनगणना वर्ष 2011

क्र. सं.	व्यवसाय का प्रकार	जनसंख्या	जनसंख्या (डिग्री में)	जनसंख्या (:) में
1	काश्तकार	75,529	224.65	62.40
2	खेतीहर मजदूर	11,393	33.87	09.41
3	पारिवारिक उद्योग	3866	11.48	03.19
4	अन्य कार्य	30,248	90.00	25.00
5	योग	1,21,036	360.00	100.00

स्त्रोत : जनगणना प्रतिवेदन, (2011) राजस्थान।
स्त्रोत : जिला सांख्यिकी रूपरेखा, (2007) नागौर।

आधारभूत संरचना

आर्थिक विकास में आधारभूत संरचना की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। आधारभूत संरचना से समृद्ध क्षेत्रों का विकास तीव्र गति से होता है। आधारभूत संरचना को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है। पहला भाग आधारभूत ढांचागत संरचना है इसमें परिवहन, विद्युत, संचार और सिंचाई को सम्मिलित किया जाता है। आधारभूत संरचना का दूसरा भाग सामाजिक संरचना है। इसमें मानव संसाधन विकास से संबंधित पक्षों को सम्मिलित किया जाता है।

डीडवाना तहसील में सामाजिक आर्थिक विकास की धीमी गति होने के कारण आधारभूत संरचना का अभाव है। राजस्थान सरकार आर्थिक विकास में आधारभूत संरचना की महत्ता को समझते हुए इसके विकास पर ध्यान केन्द्रित किये हुए हैं। राजस्थान की पंचवर्षीय एवं वार्षिक योजनाओं में वित्तीय संसाधनों का बड़ा भाग डीडवाना तहसील में आधारभूत संरचनाओं पर खर्च किया जा रहा है। इससे तहसील में आर्थिक विकास को गति मिली है।

डीडवाना तहसील में आधारभूत संरचना विशेष रूप से परिवहन, सिंचाई, ऊर्जा, संचार एवं मानव संसाधन की स्थिति का विश्लेषण इस प्रकार है।

परिवहन

प्रदेश के आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास में परिवहन का महत्त्वपूर्ण स्थान है। परिवहन के मार्गों एवं साधनों से सभी क्षेत्रों के विकास को गति मिलती है। डीडवाना तहसील ने विगत कुछ वर्षों में परिवहन के क्षेत्र में प्रगति की है। डीडवाना तहसील में परिवहन के दो साधन सड़क एवं रेल परिवहन ही है।

डीडवाना तहसील में कोई भी राष्ट्रीय राजमार्ग नहीं गुजरता है। डीडवाना नगर पक्की सड़कों से उत्तर-पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-11 से, उत्तर-पश्चिम में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-65 से, दक्षिण-पश्चिम में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-89 से तथा दक्षिण-पूर्व में राष्ट्रीय संख्या-8 से जुड़ा हुआ है।

मेगा हाईवे परियोजना प्रथम में हनुमानगढ़ से किशनगढ़ तक 407 किलोमीटर राजमार्ग का निर्माण हो चुका है। यह डीडवाना नगर को दक्षिण में कुचामन, परबतसर व अजमेर नगर से जोड़ता है। उत्तर दिशा में डीडवाना नगर को लाडनूं व हनुमानगढ़ नगरों से सड़क मार्ग से जोड़ता है। डीडवाना तहसील का हनुमानगढ़-किशनगढ़ मेगा हाईवे राज्यमार्ग प्रमुख सड़क मार्ग बन गया है। मेगा हाईवे परियोजना द्वितीय में जयपुर से नागौर तक 253 किलोमीटर लम्बा राज्यमार्ग डीडवाना तहसील के खाटू गाँव से होकर गुजरता है। यह डीडवाना तहसील के गाँवों को कुचामन व नागौर नगर से जोड़ता है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के अन्तर्गत डीडवाना तहसील के 500 से अधिक आबादी वाले गाँवों को सभी मौसम में चलने वाली सड़कों से जोड़ा जा चुका है। महात्मा गाँधी रोजगार गारंटी योजना के तहत गाँव के कच्चे मार्गों को ग्रेवल सड़कों में बदल दिया गया है। आगामी वर्षों में इन ग्रेवल सड़कों के डामरीकरण की योजना है। पिछले कुछ वर्षों में सड़क मार्गों का तीव्र गति से डीडवाना तहसील में विकास हुआ है।

डीडवाना नगर रेलमार्ग से उत्तर में लाडनूं, रतनगढ़, चूरू तथा बीकानेर नगरों से जुड़ा हुआ है। डीडवाना नगर दक्षिण में मकराना, जोधपुर, नागौर, सांभर लेक व जयपुर नगरों से ब्रोडगेज रेलमार्ग से जुड़ा हुआ है। डीडवाना नगर से नागौर जिला-मुख्यालय 167 किलोमीटर दूरी पर है।

सारणी 10

डीडवाना तहसील में रेल्वे स्टेशन

वर्ष 2015-16

क्र.सं.	स्थान जहां रेल्वे स्टेशन है	जिला मुख्यालय नागौर से दूरी (किमी. में)
1	खाटू खुर्द	127
2	बड़ावरा	132
3	पीड़वा	145
4	खुनखुना	151
5	बलिया	162
6	डीडवाना	167

स्त्रोत :समय सारणी रेल्वे स्टेशन, नागौर।

डीडवाना तहसील में खाटू, बड़ावरा, पीड़वा, खुनखुना, बलिया व डीडवाना मुख्य रेल्वे स्टेशन है इनकी जिला मुख्यालय से दूरी क्रमशः 127, 132, 145, 151, 162 व 167 किलोमीटर है। डीडवाना तहसील में सड़क व रेल परिवहन का उपयोग यात्री व माल परिवहन के लिए किया जाता है।

ऊर्जा

अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र कृषि, उद्योग, परिवहन, सामाजिक क्षेत्र आदि विकास के लिए ऊर्जा पर निर्भर होते हैं। ऊर्जा परम्परागत एवं गैर-परम्परागत स्त्रोंतो से प्राप्त की जाती है। परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों में जल विद्युत, ताप विद्युत और अणु विद्युत सम्मिलित की जाती है। डीडवाना तहसील में परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों से प्राप्त ऊर्जा उपयोग में ली जाती है। तहसील में विद्युत वितरण का कार्य अजमेर विद्युत वितरण निगम लि0 (AVVNL), अजमेर विद्युत कम्पनी द्वारा किया जाता है।

ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्त्रोत सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोगैस और बायोमास मुख्य है। डीडवाना तहसील में इन ऊर्जा स्त्रोतों के विकास की प्रबल संभावना है। तहसील में वर्ष भर सूर्य ताप उपलब्ध होने से सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अनुकूल क्षेत्र है। तहसील में पवन का वेग 20 से 40 किमी प्रति घण्टा से अधिक होने से पवन ऊर्जा उत्पादन किया जा सकता है। कृषि अपशिष्ट एवं पशुओं के गोबर से तहसील में क्रमशः बायोमास एवं बायोगैस ऊर्जा उत्पादन की अनुकूल परिस्थितियाँ विद्यमान है। सरकारी एवं निजी क्षेत्र गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों से तहसील में ऊर्जा उत्पादन कर मांग एवं आपूर्ति के ऊर्जा अन्तर को खत्म किया जा सकता है।

REFERENCE

Vyas, A., Choudhary, R. & Bhora, R. (2016) : Groundwater potential and quality of Didwana Block of the Nagaur District, Central Part of Rajasthan, India. Proceeding of State Seminar on Excess fluoride in Potable water and its associated health hazards, 4-5 Aug., Alwar (Raj.) pp.68-72.

BIS (2001) : Indian Standards for drinking water-specification (ISI0500:1991), Bureau of Indian Standards, New Delhi.

Susheela, A.K. (2011) : Fluorosis management programme in India. Current Sci., Vol.77, pp.1250-1256.

Teotia, S.P.S., Teotia, M., Singh, M.K. (1981) : Hydrogeochemical aspects of endemic skeletal fluorosis in India, An epidemiological study. Fluoride, Vol.14, pp.69-74.

Seth, Gita (2015): Geochemical Study of Fluoride in Groundwater of Rajasthan. CAIJ, Vol.2, pp.191-193.

Corresponding Author

Dasrath Kumar*

Student, Department of Geography, VPO-Dohar Kalan, Teh- Narnaul

dky30oct@gmail.com